भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 581
दिनांक 07 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

डिजिटल रिकॉर्ड में एकरूपता

581 श्री एस. निरंजन रेड्डीः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि विभिन्न अस्पतालों द्वारा "डिजिटाइज़िंग रिकॉर्ड" शब्द की अलग-अलग व्याख्या के कारण इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड नीति महत्वपूर्ण अंतर-संचालनीय चुनौतियों का सामना कर रही है

(ख) देश भर के अस्पतालों द्वारा डिजिटल रिकॉर्ड के प्रबंधन में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड नीति के तहत विगत तीन वर्षों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटलीकृत स्वास्थ्य रिकॉर्ड की राज्य-वार सूची क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ग): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने विभिन्न स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों में स्वास्थ्य परिचर्या सूचना के संग्रहण, भंडारण, हंस्तातरण में मानकीकरण, समरूपता, अंतर- संचालीनता तथा बेहतर निर्णय सहायता प्रणाली लाने के उद्देश्य से दिसम्बर, 2016 में भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकार्ड (ईएचआर) मानक संस्करण 2016 अधिसूचित किया है (जबकि ईएचआर मानकों के पूर्व संस्करण को सितंबर, 2013 में अधिसूचित किया गया था)। इससे बार- बार परिहार्य और समान नैदानिक परीक्षणों पर खर्च को कम करने और परिचर्या की निरंतरता सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। देश में डिजिटल रिकॉर्ड के प्रबंधन में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए अन्य विभिन्न प्रयास किए गए हैं:

- अधिसूचित ईएचआर मानकों को अपनाने और स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच अंतर- संचालनीयता को तीव्र करने और बढ़ावा देने के लिए, मंत्रालय ने वर्ष 2017 में सी-डैक पुणे में राष्ट्रीय ईएचआर मानक संसाधन केंद्र (एनआरसीईएस) की स्थापना की है।

- मंत्रालय ने देश भर में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एक आर्किटेक्चरल ढांचे के रूप में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य ब्लूप्रिंट (एनडीएचबी) प्रकाशित किया है।
- स्वास्थ्य रिकॉर्ड और एनडीएचबी के सिद्धांतों की अंतर- संचालनीयता सुनिश्चित करने के लिए, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) भारत सरकार द्वारा शुरू में 15 अगस्त, 2020 को छह संघ राज्य क्षेत्रों में पायलट परियोजना के रूप में और उसके बाद 27 सितंबर, 2021 को राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था। एबीडीएम का उद्देश्य सैकड़ों अलग-अलग, असंबद्ध मौजूदा डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच अंतर- संचालनीयता और संयोजकता को बढ़ावा देना है। यह कुछ मुख्य बिल्डिंग ब्लॉक या मॉड्यूल के माध्यम से किया जाता है जैसे कि व्यक्तियों / नागरिकों / रोगियों की रजिस्ट्रियां (स्वास्थ्य आईडी रजिस्ट्री), स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवरों की रजिस्ट्री (हेल्थकेयर प्रोफेशनल रजिस्ट्री) और अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, फार्मेसियों आदि सहित स्वास्थ्य परिचर्या केंद्रों की रजिस्ट्री (स्वास्थ्य परिचर्या केंद्रों की रजिस्ट्री)।
- इन रजिस्ट्रियों में, इनमें से प्रत्येक संस्था को पारिस्थितिकी तंत्र में एक विशिष्ट पहचान प्रदान की जाती है। रजिस्ट्रियों के अलावा, एनएचए ने स्वास्थ्य सूचना आदान- प्रदान और सहमति प्रबंधक (एचआईई-सीएम) नामक एक डिजिटल प्रणाली भी विकसित की है। इस प्रणाली में यह सुनिश्चित किया जाता है कि सूचना साझा करने के इच्छुक व्यक्तियों की पहले पहचान सत्यापित की जाए, व्यक्ति/ रोगी की सहमति ली जाए, लॉग किया जाए और उसके बाद ही, स्वास्थ्य रिकॉर्ड साझा किए जाएं। एबीडीएम राष्ट्रीय ईएचआर मानक संसाधन केंद्र (एनआरसीईएस) द्वारा निर्धारित ईएचआर मानकों का पालन करता है।

शुरूआत के बाद से एबीडीएम पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र/ एबीएचए (आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य खाता)/ एबीएचए पते से जुड़े के वर्ष-वार डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड संलग्न हैं।

लिंक किए गए स्वास्थ्य रिकॉर्डों का वर्ष- वार/ राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र वार

क्र.सं.	राज्य	वर्ष			
		2020	2021	2022	2023
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	शून्य	1222	14650	82561
2	आंध्र प्रदेश	शून्य	शून्य	35384418	3116449
3	अरुणाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	6	80464
4	असम	शून्य	शून्य	1681	544233
5	बिहार	शून्य	शून्य	681658	6345465
6	चंडीगढ़	42	7824	128569	602364
7	छत्तीसगढ़	शून्य	शून्य	2955209	9189957
8	दिल्ली	शून्य	शून्य	51103	2980431
9	गोवा	शून्य	शून्य	686	117543
10	गुजरात	शून्य	शून्य	2207987	5350359
11	हरियाणा	शून्य	शून्य	394525	4446234
12	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	1171	1151934
13	जम्मू और कश्मीर	शून्य	शून्य	1904532	2451448
14	झारखंड	शून्य	शून्य	1245876	6627785
15	कर्नाटक	शून्य	शून्य	847221	2625357
16	केरल	शून्य	शून्य	1227546	20968234
17	लद्दाख	शून्य	720	25790	32022
18	लक्षद्वीप	शून्य	शून्य	2	417
19	मध्य प्रदेश	शून्य	शून्य	2969848	11042890
20	महाराष्ट्र	शून्य	1	18433	5868078
21	मेघालय	शून्य	शून्य	521	109321
22	दादर और नागर हवेली और दमन और दीव	शून्य	286	29108	121314
23	मिजोरम	शून्य	शून्य	शून्य	243986
24	नागालैंड	शून्य	शून्य	1	151520
25	ओडिशा	शून्य	शून्य	1074	1664052
26	पुदुचेरी	शून्य	शून्य	128	152496
27	पंजाब	शून्य	शून्य	1539316	5219443
28	राजस्थान	शून्य	शून्य	2968	3013521
29	सिक्किम	शून्य	शून्य	5	4
30	तमिलनाडु	शून्य	शून्य	3850	892612
31	तेलंगाना	शून्य	शून्य	2130	1091416
32	त्रिपुरा	शून्य	शून्य	53	1049452
33	उत्तर प्रदेश	शून्य	शून्य	2581360	11759989
34	उत्तराखंड	शून्य	शून्य	570419	3896111
35	पश्चिम बंगाल	शून्य	शून्य	29757	2750149

*****